आवाज़ ... आम आदमी की

इन्क़िलाबी नज़र

लखनऊ, मंगलवार, 25 फरवरी 2025

बुद्धि के सिवाय विचार प्रचार का कोई दूसरा शस्त्र नहीं है, क्योंकि ज्ञान ही अन्याय को मिटा सकता है।
- शंकराचार्य

वर्ष 17 अंक 173 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

तापमान - अधिकतम 28.2°C (+0.4) न्यूनतम 12.6°C(+0.7) सेंसेक्स 75,454.41 (-856.66) निफ्टी 22,552.50 (-243.40) सोना 88,020 चांदी 1,01,000 मुद्रा - डालर 86.66 दिरहम 23.59 रियाल 22.10

एरा विश्वविद्यालय में अतिथि व्याख्यान का हुआ आयोजन

'फिजियोथेरेपी : समाज के लिए एक आवश्यकता' पर हुआ व्याख्यान

लखनऊ (सं)। एरा विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग की ओर से फिजियोथेरेपी: समाज के लिए एक आवश्यकता विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। प्रतिष्ठित वक्ता फिजियोथेरेपी क्षेत्र के दिग्गज प्रो. (डॉ.) अली ईरानी ने एक ज्ञानवर्धक सत्र दिया। डॉ. ईरानी वर्तमान में नानावटी मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल मुंबई में फिजियोथेरेपी, खेल चिकित्सा और पुनर्वास केंद्र के प्रमुख हैं।

डॉ. ईरानी ने बताया कि आधुनिक स्वास्थ्य सेवा में फिजियोथेरेपी की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने दर्द प्रबंधन, पुनर्वास और गतिशीलता बढ़ाने में के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. ईरानी ने खेल चोटों, तंत्रिका संबंधी विकारों, शल्य चिकित्सा के बाद की रिकवरी, आपदा के बाद के पुनर्वास, स्त्री रोग संबंधी स्थितियों, गठिया और स्ट्रोक जैसी पुरानी बीमारियों के इलाज में इसके प्रयोग के बारे में विस्तार से बताया।

भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के पहले फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में अपने अनुभव से आकर्षित होकर उन्होंने चर्चा की कि कैसे फिजियोथेरेपी ने खेलों में चोट की रोकथाम और रिकवरी में क्रांति ला दी है। उन्होंने सभी व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए ग्रामीण और शहरी दोनों समुदायों में फिजियोथेरेपी सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाने के महत्व पर जोर दिया। डॉ. ईरानी ने लोगों को इस क्षेत्र के प्रति समर्पित रहने, मजबूत नैदानिक कौशल विकसित करने और स्वास्थ्य सेवा में सार्थक प्रभाव डालने के लिए रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। उनकी अंतर्दृष्टि ने दर्शकों को समाज में फिजियोथेरेपी की परिवर्तनकारी भूमिका के बारे में अधिक जागरूक किया। सत्र का समापन एक आकर्षक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जहां छात्रों और संकाय सदस्यों को डॉ. ईरानी के साथ बातचीत करने और फिजियोथेरेपी के भविष्य के बारे में गहन जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला। सहायक डीन और एचओडी प्रो. (डॉ.) सुमित अस्थाना ने प्रो. (डॉ.) अली ईरानी का स्वागत करते हुए फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में उनके अपार योगदान को मान्यता दी। उन्होंने समाज में फिजियोथेरेपी के बढ़ते महत्व के बारे में भी विस्तार से बताया। डॉक्टर ईरानी ने छात्रों को फिजियोथेरेपी में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

प्रो. (डॉ.) सुमित अस्थाना ने अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए डॉ. अली ईरानी और चांसलर के ओएसडी हरि शंकर सर को उनके बहुमूल्य सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने सभी संकाय सदस्यों और छात्रों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए भी अपना आभार व्यक्त किया। विशेष रूप से डॉ. आरिफ रिजवी और डॉ. बद्री विशाल को कार्यक्रम के प्रबंधन में उनकी उत्कृष्टभागीदारी के लिए।